Governed by Kas...

कस्तूरबागांधी राष्ट्रीय स्मारक ट्रस्ट द्वारा संचालित

कस्तूरबाग्राम रूरल इंस्टीट्यूट, कस्तूरबाग्राम, इंदौर

(स्वशासी आवासीय कन्या महाविद्यालय, देवी अहिल्या वि.वि., इंदौर से संबद्ध)

फ़ोन 0731.2874065

शैक्षणिक सत्रः 2025–26

स्थापना वर्ष:1963

कक्षा : एम. ए.
Class - M. A.
विषय – ग्रामीण विकास एवं प्रसार
Subject – Rural Development & Extension
सेमेस्टर – प्रथम
Sem. – I st

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 अध्यादेश कमांक 14-2 के अनुसार

1. पाठ्यकम का कोड – 101
   Course Code – CC- 101
2. पाठ्यकम का शीर्षक – प्रसार शिक्षा के आधारभूत तत्व
   Course Title – Fundamental of Extension Education.
3. पाठ्यकम का प्रकार – कौर कोर्स
   Course Type – Core Course
4. पाठ्यकम अध्ययन की उपलब्धियां :– CLO-
   Communication plays key role in Extension Work. This course would empower students to be a good communicator and extension worker. The students will be able to:
   1. Gain knowledge of need and importance of Extension Education.
   2. Analyse the effective communication and communication media according to requirements.
   3. Perceive the importance of Rural Leadership in Extension work.
   4. Acquire knowledge of various teaching materials and their application.
5. केडिट मान – सैद्धांतिक – 05 Credit Value - 05
6. कुल अंक – 40+60=100 न्यूनतम उत्तीर्ण अंक – 40
   Total Marks - 40+60=100 Minum Passing Marks - 40
7. व्याख्यान की कुल अवधि– 75 घंटे

UNIT	CONTENTS
इकाई I	**प्रसार शिक्षा का परिचय -** 1. प्रसारशिक्षा : अर्थ एवं परिभाषा 2. प्रसार शिक्षा की आवश्यकता एवं उद्देश्य 3. प्रसार शिक्षा का क्षेत्र एवं सिद्धांत 4. प्रसार शिक्षा की विशेषताएँ
इकाई II	**प्रसार शिक्षा एवं प्रसार कार्यकर्ता–** 1. प्रसार शिक्षा तथा औपचारिक शिक्षा में अंतर 2. प्रसार शिक्षा का अन्य विषयों से संबंध 3. प्रसार कार्यकर्ता- अर्थ, कार्य एवं गुण 4. प्रसार कार्यकर्ता की भूमिका-प्रसार प्रशासक के रूप में, विषय-वस्तु विशेषज्ञ के रूप में, ग्राम स्तर कार्यकर्ता के रूप में, संप्रेषक के रूप में।
इकाई III	**प्रसार शिक्षण विधियां (संपर्क विधियां)–** 1. प्रसार शिक्षण विधियां : अर्थ, परिभाषा अ. व्यक्तिगत संपर्क विधियां- घर पर संपर्क, खेत पर संपर्क, टेलीफोन कॉल, ऑफीस कॉल, व्यक्तिगत पत्र आदि। अविरत........२

26.09.25 26/09/25 26/9/25

//२//

	ब. सामूहिक संपर्क विधियां-विधि प्रदर्शन, परिणाम प्रदर्शन, प्रक्षेत्र भ्रमण, समूह चर्चा, पैनल चर्चा, कार्यशाला, प्रशिक्षण, ग्राम शिविर आदि। स. विराट जनसंपर्क विधियां-छपित एवं मुद्रित सामग्रियां, मेला, अभियान, शिविर, रेडियो, दूरदर्शन व इंटरनेट, इत्यादि। 2. प्रसार शिक्षण के चरण 3. प्रसार शिक्षण पद्धतियों का चयन 4. प्रसार शिक्षण पद्धतियों को प्रभावित करने वाले तत्व/कारक
इकाई IV	**ग्रामीण समुदाय एवं नेतृत्व** 1. ग्रामीण समुदाय काअर्थ एवं परिभाषाएँ 2. ग्रामीण समुदाय की विशेषताएँ एवं समस्याएँ 3. ग्रामीण नेतृत्व : अर्थ, परिभाषा एवं विशेषताए 4. नेतृत्व के प्रकार एवं शैलियाँ 5. नेता की पहचान एवं भूमिका
इकाई V	**ग्रामीण प्रौढ़ शिक्षा** 1. प्रौढ़ शिक्षा : अवधारणा, अर्थ एवं परिभाषा 2. बाल शिक्षण तथा प्रौढ़ शिक्षण में अंतर 3. प्रौढ़ शिक्षा के उद्देश्य 4. प्रौढ़ शिक्षा का महत्व

TEXT BOOKS, REFERENCE BOOKS, OTHER RESOURCES

REFRENCE BOOKS:

1- Dubey V.K. Extension : Education and Communication, New Age Publication Pvt Ltd., New Delhi, 2008
2- Harks J.D. : Mass Communication – An Introduction Survey, Wn. C. Brown Publishers, London, 1990
3- Ray, G.L. : Extension Communication Management, Nayar Publication, Calcutta
4- ठरपालानी बी.डी.: गृहविज्ञान में प्रसार शिक्षा, स्टारपब्लिकेशन, आगरा
5- बक्शी बी.के.: प्रसार शिक्षा तकनीक तथा कार्यक्रम, श्री विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा
6- सिंह बृन्दा, : प्रसारशिक्षा, पंचशील प्रकाशन, जयपुर
7- मिश्र विनोद, शुक्ल नरेन्द्र : व्यवसायिक सम्प्रेषण, साहित्य भवन पब्लिकेशन, आगरा
8- शॉगीता पुष्प, शॉजायस शीला : प्रसार शिक्षा, श्री विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा
9- श्री वास्तव जे.पी. : प्रसारिकी, अमन पब्लिशिंग हाउस, मेरठ
10- श्री वास्तव डी.एन.: सतत् शिक्षा एवं संचार, एस बीपीडी पब्लिशिंग हाउस, आगरा

RECOMMENDED DIGITAL PLATFORM, WEBLINKS

1. https://www.everyday41.com/2020/04/drshy-shravy-samamagree-arth-paribhaasha-mahatav-siddhaant.html
2. https://www.testsuccesskey.com/2015/01/audio-visual-aids-in-hindi.html
3. https://apps.worldagroforestry.org/Units/Library/Books/Book%2006/html/12.3_extension_methods.htm?n=127
4. https://en.wikipedia.org/wiki/Extension_method
5. https://www.topper.com/guides/business-studies/directing/communication/

GUIDELINES & RULES FOR STUDENTS

- The students are expected to follow the following rules for deriving maximum benefits of the course
- Don't leave the campus without permission. In case of emergency, written permission from the Course Coordinator is required. Be punctual and attend all sessions, Lectures and other activities
- Take responsibility of your own work Follow the timetable, home assignments and projects should be submitted within the stipulated time period.
- A minimum of 75% attendance is compulsory for all the students.

26-9-25   26/09/25   26.09.25   26/9/25

कक्षा : एम. ए.

Class - M. A.

विषय – ग्रामीण विकास एवं प्रसार

Subject – Rural Development & Extension

सेमेस्टर – प्रथम

Sem. – I st

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 अध्यादेश कमांक 14–2 के अनुसार

1. पाठ्यकम का कोड – 102
   Course Code – CC-102
2. पाठ्यकम का शीर्षक – प्रबंधकीय अर्थशास्त्र
   Course Title – Management Economics
3. पाठ्यकम का प्रकार – कौर कोर्स
   Course Type – Core Course
4. पाठ्यकम अध्ययन की उपलब्धियां :– **CLO-**
   1. छात्राओं को प्रबंधकीय अर्थशास्त्र से परिचित करवाना।
   2. छात्राओं में प्रतियोगी मूल्य एवं उत्पादन निर्धारण की समझ विकसित करना।
   3. छात्राओं को औद्योगिक नीति, मौद्रिक नीति, राजकोषीय नीति एवं अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार की समझ उत्पन्न करना।
5. केडिट मान – सैद्धांतिक – 05 **Credit Value - 05**
6. कुल अंक – 40+60=100 न्यूनतम उत्तीर्ण अंक – 40
   Total Marks - 40+60=100 Minum Passing Marks - 40
7. व्याख्यान की कुल अवधि– 75 घंटे

इकाई	विषय	व्याख्यान घण्टे
इकाई–1	– प्रबन्धकीय अर्थशास्त्र : 1. प्रबन्धकीय अर्थशास्त्र – विशेषताएँ, महत्व 2. क्षेत्र – विषय सामग्री, कार्य 3. सामान्य अर्थशास्त्र एवं प्रबन्धकीय अर्थशास्त्र में अंतर	
इकाई–2	– प्रतियोगी मूल्य एवं उत्पादन निर्धारण : 1. पूर्ण प्रतियोगिता – विशेषताएं, मूल्य निर्धारण 2. एकाधिकार – विशेषताएं, मूल्य निर्धारण 3. पूर्ण प्रतियोगिता व एकाधिकार में अंतर 4. एकाधिकृत प्रतियोगिता – विशेषताएं, मूल्य निर्धारण 5. अल्पाधिकार – विशेषताएं, मूल्य निर्धारण	

contd---------2

इकाई–3	– **औद्योगिक नीति :** 1. औद्योगिक नीति – उद्देश्य व महत्व 2. नवीनतम 1991 की औद्योगिक नीति 3. नवीन नीति की आलोचनात्मक समीक्षा 4. औद्योगिक नीति के पक्ष व विपक्ष में तर्क 5. औद्योगिक नीति की नवीन प्रवृत्ति	
इकाई–4	– **मौद्रिक नीति :** 1. मौद्रिक नीति – अर्थ, उद्देश्य 2. भारत की मौद्रिक नीति, आलोचनात्मक मूल्यांकन 3. व्यापार चक्र – परिभाषा, प्रकार 4. व्यापार चक्र में उच्चावचन के रूप, कारण, विशेषताएं 5. व्यापार चक्र की अवस्थाएं एवं नियंत्रण के उपाय	
इकाई–5	– **अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार :** 1. अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार – प्रकार, महत्व 2. अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार एवं आर्थिक विकास. 3. अर्द्धविकसित देश – परिभाषा, विशेषताएँ 4. व्यापार संतुलन एवं भूगतान संतुलन में अंतर 5. भुगतान संतुलन सुधार के उपाय, प्रभाव, कारण	
	संदर्भ ग्रंथ – 1- गुर्टो डी.जून : अन्तर्राष्ट्रीय अर्थशास्त्र, कालेज बुक डिपो, 2002. 2- नागर विष्णुदत्त एवं शर्मा : अन्तर्राष्ट्रीय अर्थशास्त्र, गोयल पब्लिकेशन हाऊस, सुभाष नगर, मेरठ, 2003. 3- शर्मा विवेक : प्रबन्धकीय अर्थशास्त्र, अर्जुन पब्लिशिंग हाऊस, दिल्ली, 2010. 4- गोयल अनुपम : नवीनतम यूनीफाइड अर्थशास्त्र, शिवा प्रकाशन, 2004. 5- सिंघई जी.सी. : सुक्ष्म अर्थशास्त्र, साहित्य भवन पब्लिकेशन, 2008. 6- सिंघई एवं मिश्रा : समष्टि आर्थिक विश्लेषण, साहित्य भवन पब्लिकेशन, आगरा, 2005.	

....

26.9.25

26/09/

28/9/25

कस्तूरबागांधी राष्ट्रीय स्मारक ट्रस्ट द्वारा संचालित

कस्तूरबाग्राम रूरल इंस्टीट्यूट, कस्तूरबाग्राम, इंदौर

(स्वशासी आवासीय कन्या महाविद्यालय, देवी अहिल्या वि.वि., इंदौर से संबद्ध)

म.उंपसरूातपण्मगजमदेपवद / हउंपसण्बवउए ँमइेपजमरूीजजचरू णहतपण्वतहए चीण् थ्ण्0731.2874065

शैक्षणिक सत्रः 2025–26

स्थापना वर्षः1963

कक्षा : एम. ए.

Class - M. A.

विषय – ग्रामीण विकास एवं प्रसार

Subject – Rural Development & Extension

सेमेस्टर – प्रथम

Sem. – I st

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 अध्यादेश कमांक 14–2 के अनुसार

1. पाठ्यकम का कोड – CC.103
   Course Code – CC-103
2. पाठ्यकम का शीर्षक – भारत में ग्रामीण समाज
   Course Title – Rural Development in India
3. पाठ्यकम का प्रकार – कौर कोर्स
   Course Type – Core Course
4. पाठ्यकम अध्ययन की उपलब्धियां :– CLO-
   1. छात्राओं को ग्रामीण समाज की सामान्य जानकारी प्रदान करना।
   2. छात्राओं को ग्रामीण परिवर्तन एवं विकास योजनाओं से अवगत कराना।
   3. छात्राओं को ग्रामीण सामाजिक समस्याएं एवं समाधान की जानकारी प्रदान करना।
5. केडिट मान – सैद्धांतिक – 05 Credit Value - 05
6. कुल अंक – 40+60=100 न्यूनतम उत्तीर्ण अंक – 40
   Total Marks - 40+60=100 Minum Passing Marks - 40
7. व्याख्यान की कुल अवधि– 75 घंटे

इकाई	विषय	व्याख्यान घण्टे
इकाई–1	– **ग्रामीण समाज (सामान्य परिचय) :** 1. समाजशास्त्र – अर्थ, परिभाषा 2. ग्रामीण समाजशास्त्र – अर्थ, परिभाषा, क्षेत्र, महत्त्व 3. सामान्यि सामाजिक अवधारणाएं – समाज, समुदाय, समिति, संस्था 4. ग्रामीण समाज – अर्थ, परिभाषा, महत्व 5. ग्रामीण समाज की विशेषताऐं (विशेषकर भारत के संदर्भ में) 6. ग्रामीण तथा नगरीय समुदाय में अंतर	
इकाई–2	– **ग्रामीण सामाजिक एवं राजनैतिक संरचना :** 1. ग्रामीण सामाजिक संरचना – अर्थ, परिभाषा, विशेषताएं 2. ग्रामीण सामाजिक संभावना के तत्व – परिवार एवं जाति, जातिवाद 3. ग्रामीण सामाजिक संरचना के तत्व – जनजाती प्रथा एवं धर्म 4. ग्रामीण राजनैतिक परम्परागत एवं वर्तमान राजनैतिक संरचना 5 वर्तमान राजनैतिक संरचना के तत्व – ग्राम सभा एवं ग्राम पंचायत	

Contd--------2

इकाई–3	– ग्रामीण सामाजिक परिवर्तन : 1. परिवर्तन, अर्थ, परिभाषा विशेषताएं 2. ग्रामीण सामाजिक परिवर्तन – अर्थ, परिभाषा, उत्तरदायी कारक 3. ग्रामीण सामाजिक परिवर्तन से ग्रामीण जीवन में परिवर्तन 4. ग्रामीण सामाजिक परिवर्तन – औद्योगिकरण, नगरीकरण 5. ग्रामीण समाज के नियोजित परिवर्तन – पंचायती राज व्यवस्था, ग्रामीण विकास कार्यक्रम
इकाई–4	– **ग्रामीण पुनर्निर्माण एवं ग्रामीण सामाजिक प्रकियाएं :** 1. ग्रामीण पुनर्निर्माण, अर्थ, उद्देश्य, महत्व 2. भारत में ग्रामीण पुनर्निर्माण के विभिन्न कार्यक्रम 3. भारत में नियोजन के माध्यम से ग्रामीण विकास 4. ग्रामीण सामाजिक प्रकिया–सहयोग एवं समाजीकरण, प्रतिस्पर्धा एवं समन्वय
इकाई–5	– **ग्रामीण सामाजिक समस्याएँ :** 1. अस्पृश्यता (छुआछूत) 2. लैंगिक असमानता 3. निरक्षरता 4. ग्रामीण जनस्वास्थ्य एवं सफाई 5. जातिवाद
	संदर्भ सूची – 1. चौहान ब्रजराग : भारत में ग्रामीण समाज, ए.सी. बदर्स, भोपाल 2. श्रीवास्तव एस.सी. : जनांकिकीय सिद्धांत, शिक्षा साहित्य प्रकशन, मेरठ 3. कुमार वी. : जनांकिकी , साहित्य भवन, आगरा 4. शर्मा रामनारायण : ग्रामीण समाजशास्त्र, केदारनाथ मेरठ 5. तोमर राम बिहारी : ग्रामीण समाजशास्त्र, केदारनाथ मेरठ 6. शर्मा राजेन्द्र कुमार : ग्रामीण समाजशास्त्र, एटलांटिक पब्लिशर्स एण्ड डिस्ट्रीब्यूटर्स, नई दिल्ली 7. सिंह विरेन्द्रनाथ : ग्रामीण समाजशास्त्र, विवेक प्रकाशन, नई दिल्ली । 8. सिंहल एस.सी. : राजनीतिक समाजशास्त्र, लक्ष्मीनारायण अग्रवाल आगरा 9. गोयल डी.डी. रायपुरिया : ग्रामीण समाजशास्त्र, दंत बन्धु अजमेर। 10. सिंह बी.एन. , सिंह जनमेजय : ग्रामीण समाजशास्त्र, विवेक प्रकाशन नई दिल्ली 11. गुप्ता एम.एल., शर्मा डी.डी. : भारतीय ग्रामीण समाजशास्त्र, साहित्य भवन पब्लिकेशन, आगरा।

....

26.9.25

26/09/25

26/9/25

कस्तूरबागांधी राष्ट्रीय स्मारक ट्रस्ट द्वारा संचालित
कस्तूरबाग्राम रूरल इंस्टीट्यूट, कस्तूरबाग्राम, इंदौर
(स्वशासी आवासीय कन्या महाविद्यालय, देवी अहिल्या वि.वि., इंदौर से संबद्ध)
0731.2874065
स्थापना वर्ष:1963

शैक्षणिक सत्र: 2025–26

कक्षा : एम. ए.

Class - M. A.

विषय – ग्रामीण विकास एवं प्रसार

Subject – Rural Development & Extension

सेमेस्टर – प्रथम

Sem. – I st

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 अध्यादेश कमांक 14–2 के अनुसार

1. पाठ्यक्रम का कोड – 104
   Course Code – CC- 104
2. पाठ्यक्रम का शीर्षक – ग्रामीण विकास नीति एवं कार्यक्रम
   Course Title – RURAL DEVELOPMENT POLICY AND PROGRAMME
3. पाठ्यक्रम का प्रकार – कौर कोर्स
   Course Type – Core Course
4. पाठ्यक्रम अध्ययन की उपलब्धियां :– CLO-
   - ग्रामीण विकास एवं ग्रामीण नीतियों की गहन समझ विकसित करना।
   - भारत में ग्रामीण विकास नीतियों एवं कार्यक्रमों के ऐतिहासिक विकास और प्रभावों का अध्ययन करना।
   - विभिन्न कार्यक्रमों के क्रियान्वयन, मूल्यांकन एवं उनके सामाजिक-आर्थिक प्रभाव का विश्लेषण करना।
   - नीति-विश्लेषण, योजना-निर्माण एवं अनुसंधान की क्षमता विकसित करना।
5. केडिट मान – सैद्धांतिक – 05 Credit Value - 05
6. कुल अंक – 40+60=100 न्यूनतम उत्तीर्ण अंक – 40
   Total Marks - 40+60=100 Minimum Passing Marks - 40
7. व्याख्यान की कुल अवधि– 75 घंटे

यूनिट 1 : ग्रामीण नीति एवं विकास का परिचय

1. ग्रामीण विकास एवं ग्रामीण नीति की अवधारणा, गाँधीवादी ग्रामीण विकास की अवधारणा
2. ग्रामीण विकास के सैद्धान्तिक दृष्टिकोण (आधुनिकीकरण, निर्भरता, सहभागिता)
3. सामुदायिक विकास कार्यक्रम (1952) से पंचवर्षीय योजनाओं तक
4. ग्रामीण विकास मंत्रालय एवं संस्थागत तंत्र

यूनिट 2: ग्रामीण विकास की संस्थागत संरचना

1. पंचायती राज संस्थाएँ एवं 73वाँ संविधान संशोधन
2. ग्रामसभा की भूमिका एवं कार्यप्रणाली
3. ग्रामीण वित्तीय संस्थाएँ: नाबार्ड, क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक, सूक्ष्म वित्त संस्थाएँ
4. विकेन्द्रीकृत योजना एवं सहभागी ग्रामीण मूल्यांकन (PRA)

26.9.25 26/09/25 26/9/25

अविरत......२

यूनिट 3: ग्रामीण अधोसंरचना, आजीविका और कौशल विकास

1. प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (PMGSY)
2. प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना
3. महात्मा गाँधीराष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (MGNREGA)।
4. राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (NRLM) और स्वयं सहायता समूह (SHG)।
5. प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (PMKVY) और ग्रामीण उद्यमिता।

यूनिट 4: ग्रामीण स्वास्थ्य, शिक्षा और सामाजिक सुरक्षा

1. राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन (NRHM)
2. सर्वशिक्षा अभियान और ग्रामीण शिक्षा की चुनौतियाँ
3. आयुष्मान भारत योजना और सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाएँ
4. बालविकास (एकीकृत बाल विकास सेवा- ICDS) और महिला सशक्तिकरण

यूनिट 5: ग्रामीण विकास में नई पहल एवं समकालीन मुद्दे

1. डिजिटल इंडिया और ग्रामीण भारत में ई-गवर्नेंस
2. ग्रामीण क्षेत्र में कॉर्पोरेट सोशल रिस्पांसबिलिटी (CSR) और पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप (PPP) मॉडल
3. जलवायु परिवर्तन और ग्रामीण विकास
4. सतत विकास लक्ष्य और ग्रामीण विकास

TEXT BOOKS, REFERENCE BOOKS, OTHER RESOURCES

REFRENCE BOOKS:

1- Rao D. Vasudeva, Rural Development: Principles, Policies and Management,SAGE Publications,
2- Narang A.S., Rural Development in India: A Perspective, Atlantic Publishers & Distributors
3- Pant Niranjan, India's Rural Development and Poverty Alleviation, New Century Publications
4- Shashi S.S., The Rural-Urban Divide in India: A Comprehensive Analysis, Kalpaz Publications
5- Shashi S.S.,Social Entrepreneurship and Rural Development, Discovery Publishing House
6- RaoN. V., Rural Management: An Introduction, New Age International Publishers
7- शर्मा आर. के., भारत में ग्रामीण विकास, रस्तोगी पब्लिकेशन्स
8- यादव रामकुमार, ग्रामीण विकास का इतिहास, राधा पब्लिकेशन्स
9- दोषी एस.एल., ग्रामीण समाजशास्त्र, रावत पब्लिकेशन्स
10- प्रसाद डॉ. सुरेश, ग्रामीण वित्त और सूक्ष्म वित्त, रस्तोगी पब्लिकेशन्स

26-9-25

26/9/25

26/9/25